

अच्छे कामों का अवार्ड

को ई भी अच्छा काम किसी अवार्ड का मोहताज नहीं होता है। हां अगर किसी अच्छे काम को पुरस्कृत किया जाए, तो यह सोने पर सुहागा है। सोमवार को राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार से नवाजा तो यह श्री चौहान द्वारा खेलों को अब तक आगे बढ़ाने के लिए किए गए कामों को पुरस्कृत किया जाना था। श्री चौहान ने हमेशा खेल और खिलाड़ियों को तब प्रोत्साहन दिया जब उन्हें संकट में देखा। जब महिला हाकी खिलाड़ियों को भुगतान नहीं हो रहा था, तो मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आगे आकर भुगतान किया। इसी तरह पुरुष हाकी टीम को भी चैक भेंट किए गए। खेलों को प्रोत्साहन के हर मौके पर श्री चौहान ने खिलाड़ियों को अहसास कराया कि मैं हूँ ना। खेल जगत में शिवराज सिंह चौहान के कार्यों को देखकर ही राष्ट्रपति भी कह उठीं कि देश के बाकी राज्य भी मप्र से सीख लें और खेलों में बेहतर काम करें। निश्चित रूप से श्री चौहान के नेतृत्व में प्रदेश ने खेलों में जो कार्य किए हैं वह प्रशंसनीय हैं। इस अवार्ड को हासिल करने के साथ मप्र और उसके मुख्यमंत्री श्री चौहान देश में एक रोल मॉडल बन गए हैं। एक और बात, यह श्री चौहान के प्रोत्साहन का ही नतीजा है कि आज प्रदेश में खेल का माहौल सुधरा है। यहां 16 खेल अकादमियां हैं और 700 से ज्यादा खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रही हैं। उम्मीद है आगे भी वे खेलों को यूँ ही प्रोत्साहन देते रहेंगे।